3. जोखिम प्रबंधन

क. जोखिम प्रबंधन - संक्षिप्त विवरण

आपके बैंक में जोखिम प्रबंधन में जोखिम पहचान, जोखिम मूल्यांकन तथा जोखिम शमन शामिल है, तथा इसका प्रमुख उद्देश्य लाभप्रदता तथा पूंजी पर नकारात्मक प्रभाव को न्यूनतम करना है।

आपका बैंक विभिन्न प्रकार के जोखिमों का सामना करता है, जो कि किसी भी बैंकिंग व्यवसाय का निहित हिस्सा है। प्रमुख जोखिम ऋण जोखिम, तरलता जोखिम तथा परिचालन जोखिम हैं, जिसमें आईटी जोखिम भी शामिल है।

सभी स्तरों पर संवर्द्धित जोखिम जागरूकता के माहौल को बढ़ावा देने के लिए आपका बैंक प्रतिबद्ध है। साथ ही, विभिन्न जोखिमों से बचने अथवा उनका न्यूनीकरण सुनिश्चित करने के लिए इसका उद्देश्य साईबर सुरक्षा उपायों सहित नियंत्रणों तथा सुरक्षा उपायों का का नियमित उन्नयन करना है। अपने सभी विभागों/ श्रेणियों में जोखिमों को मापने, मूल्यांकन करने, निगरानी करने तथा प्रबंधन करने के लिए आपके बैंक में नीतियां तथा प्रक्रियाएं लागू हैं।

दायित्वों के पृथक्करण तथा जोखिम मापन, निगरानी तथा नियंत्रण कार्यों की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के संदर्भ में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ सिद्धांतों के अनुरूप एक स्वतंत्र जोखिम प्रशासन संरचना लागू की गई। इस संरचना में परिचालन स्तर पर व्यवसाय इकाइयों का सशक्तीकरण अपेक्षित है, जिसमें प्रौद्योगिकी की प्रमुख भूमिका हो तथा मूल स्तर पर ही जोखिम की पहचान तथा उसके प्रबंधन में समर्थ हुआ जा सके। आपके बैंक तथा समग्र एसबीआई समूह में विभिन्न जोखिमों की निगरानी एवं समीक्षा कार्यपालक स्तरीय समितियों तथा बोर्ड की जोखिम प्रबंधम समिति (आरएमसीबी) के माध्यम से की जाती है तथा इन समितियों की बैठक नियमित रूप से होती है। परिचालन इकाई तथा व्यवसाय इकाई स्तर पर जोखिम प्रबंधन समितियां भी सक्रिय हैं।

1. ऋण जोखिम कम करने के उपाय

ऋण जोखिमों की पहचान, मापन, निगरानी तथा नियंत्रण के लिए आपके बैंक ने मजबूत ऋण मूल्यांकन तथा जोखिम प्रबंधन संरचना लागू की है। एक समर्पित टीम द्वारा उसके दृष्टिकोण तथा पहचाने गए 39 उद्योगों/ क्षेत्रों, जो आपके बैंक के कुल अग्रिमों में 70% का योगदान देते हैं (खुदरा तथा कृषि के अलावा), में विकास की संभावना का निर्धारण करने लिए उद्योग क्षेत्र में माहौल का विश्लेषण तथा अनुसंधान किया जाता है। इन क्षेत्रों में जोखिम पर निरंतर निगरानी रखी जाती है तथा जहां भी आवश्यक हो, संबंधित उद्योगों की तुरंत समीक्षा की जाती है। बैंक के पोर्टफोलियो पर कोविड के प्रभाव पर भी निगरानी की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिन कॉरपोरेट कंपनियों को अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता पड़ सकती थी, बैंक ने उनकी पहचान कर ली जिससे त्वरित सुधारात्मक उपाय संभव हो सके। संभावित दबावग्रस्त पोर्टफोलियों की सक्रियता से पहचान करने के लिए विभिन्न विश्लेषण किए गए तथा समय पर आवश्यक निवारण उपाय किए गए। इसी प्रकार एनबीएफसी, निर्माण, टेक्सटाइल, बंदरगाह, जहाजरानी, होटल आदि विभिन्न उद्योगों पर कोविड-19 के प्रभाव का विश्लेषण किया गया। रियल एस्टेट/ टेलिकॉम जैसे संवेदनशील/ दबावग्रस्त क्षेत्रों की समीक्षा अर्ध-वार्षिक अंतरालों पर की गई। एनबीएफसी, ऊर्जा, टेलिकॉम, टेक्सटाइल आदि क्षेत्र, जो चुनौतीपूर्ण दौर से गुज़र रहे हैं, पर निरंतर निगरानी रखी गई तथा नई घटनाओं/ परिवर्तनों का विश्लेषण व्यवसायिक समूहों के साथ साझा किया गया ताकि वे जागरूक ऋण निर्णय ले सकें। विभिन्न स्तरों पर परिचालन स्टाफ के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए जाते हैं। शीर्ष 15 उद्योगों/ क्षेत्रों को कवर करते हुए मासिक डैशबोर्डउपलब्ध करवाया जाता है, जिसमें इन उद्योगों/ क्षेत्रों की विस्तृत नवीनतम जानकारी व्यवसाय इकाइयों को उपलब्ध करवाई जाती है ताकि उन्हें इन महत्वपूर्ण उद्योंगों/ क्षेत्रों की नवीनतम जानकारी हो।

वित्तीय वर्ष 2020 तक, ऋण रेटिंग की प्रारंभिक सीमा उद्योग/ क्षेत्र के दृष्टिकोण पर आधारित थी। चूंकि विभिन्न उद्योगों/ क्षेत्रों के लिए एक ही दृष्टिकोण से उद्योगों/ क्षेत्रों की चूक संभावना पीडी) एक समान नहीं हो सकती, इसलिए आपके बैंक ने दिनांक 01.04.2020 से ऋण रेटिंग की प्रारंभिक सीमा का निर्धारण पीडी तथा संबंधित उद्योग/ क्षेत्र के दृष्टिकोण, दोनों के आधार पर करने का निर्णय लिया है।

उधारकर्ता-वार ऋण जोखिम का मूल्यांकन करने के लिए आपका बैंक विभिन्न आंतरिक ऋण जोखिम मूल्यांकन मॉडल तथा स्कोरकार्ड का प्रयोग करता है। उधारकर्ताओं की आंतरिक ऋण रेटिंग के लिए मॉडल बैंक में ही विकसित किए गए हैं। व्यापक मान्यता, तथा बाहरी मान्यता/ समीक्षा सहित बैक टैस्टिंग संरचना के चक्रों के माध्यम से उनकी समीक्षा की जाती है। बैंक में 'आंतरिक रेटिंग की गतिशील समीक्षा' संरचना भी लागू है, जो दबाव की पूर्व पहचान तथा उचित शमन तंत्र को सक्रिय करने में समर्थ करती है।

लोन ओरिजिनेशन सॉफ्टवेयर/ लोन लाइफसाईकिल मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (एलओएस/ एलएलएमएस) के माध्यम से ऋण मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए आपके बैंक ने एक आईटी मंच अपनाया है। आपके बैंक द्वारा विकसित मॉडल इन मंचों पर होस्ट किए जाते हैं, जिनमें सीआईबीआईएल तथा आरबीआई की चूककर्ता सूची का हस्तक्षेप भी होता है।

आपके बैंक में पूंजी पर जोखिम समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) लागू है तथा ग्राहक स्तर पर आरएआरओसी की गणना का डिजिटलीकरण कर दिया गया है। आगे, खुदरा उधारकर्ता निष्पादन की निगरानी तथा स्कोरिंग के लिए व्यवहारगत मॉडल विकसित कर क्रेडिट रिस्क डाटा मार्ट पर होस्ट किए गए हैं।

आपका बैंक प्रत्येक अद्धवर्ष में अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो की दबावग्रस्तता का परीक्षण करता है। आरबीआई दिशानिर्देशों, उद्योग के सर्वश्रेष्ठ सिद्धांतों तथा मैक्रो- इकोनॉमिक वेरिएबल के अनुरूप दबावग्रस्तता परिदृश्यों का नियमित अद्यतन किया जाता है।

आस्ति पोर्टफोलियो की गुणवत्ता पर निगरानी रखने के लिए आपका बैंक एनपीए संचलन, ऋण मंजूरी की तिमाही समीक्षा आदि में प्रवृत्तियों की पहचान करने के लिए नियमित रूप से विशिष्ट विश्लेषणात्मक अध्ययन करता है।

आरबीआई ने आपके बैंक को ऋण जोखिम के लिए प्रोन्नत दृष्टिकोण के अंतर्गत फाउंडेशन इंटरनल रेटिंग्स बेस्ड (एफआईआरबी) के लिए पैरेलल रन प्रक्रिया में प्रतिभागिता के लिए अनुमति दी है। एफआईआरबी के लिए पैरेलल रन के अंतर्गत आंकड़े आरबीआई को प्रस्तुत किए गए हैं। चूक की संभावना (पीडी) के आकलन के लिए मॉडल, चूक पर हानि (एलजीडी) तथा चूक पर जोखिम (ईएडी) को आईआरबी पूंजी की गणना के लिए क्रेडिट रिस्क डाटा मार्ट में होस्ट किया गया है।

2. बाजार जोखिम कम करने के उपाय

आपके बैंक के बाजार जोखिम का प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक सुपरिभाषित निवेश नीति, व्यापार नीति, बाजार जोखिम प्रबंधन नीति तथा बाजार जोखिम सीमा नीति के माध्यम से किया जाता है जो निवेश फंड के प्रभावी तथा उचित प्रबंधन के लिए ट्रेडिंग जोखिम सीमाओं/ ट्रिगर्स के माध्यम से अलग-अलग ट्रेडिंग डेस्क अथवा विभिन्न सेक्युरिटीज में जोखिम को सीमित

करती हैं। इन जोखिम उपायों में स्थिति सीमाओं, अंतर सीमाओं, आशय प्रतिबंधों, संवेदनशीलता सीमाओं यथा पीवी 01, संशोधित अवधि, जोखिम पर मूल्य (वीएआर) सीमा, स्टॉप लॉस ट्रिगर स्तर, एनओओपी, फॉरेक्स डेलाइट सीमा, एलएमएटी, यूएमएटी तथा ऑप्शन्स ग्रीक्स की दिन की समाप्ति आधार पर निगरानी की जाती है।

मूल्य पर जोखिम (वीएआर) बैंक के ट्रेडिंग पोर्टफोलियो में जोखिम की निगरानी के लिए उपयोग में आने वाला टूल है। आपके बैंक के एंटरप्राइज स्तरीय वीएआर की गणना तथा बैक टेस्टिंग दैनिक आधार पर होती है। बाजार जोखिम के लिए दबावग्रस्त वीएआर की गणना भी दैनिक आधार पर होती है। एक बोर्ड अनुमोदित दबावग्रस्तता परीक्षण नीति तथा ऐसी संरचना, जो दबावग्रस्तता हानियों को मापने के लिए विभिन्न बाजार जोखिम परिदृश्यों का अनुकरण करती है तथा सुधारात्मक उपाय शुरू करती है, इसके टूल हैं।

आपके बैंक के बाजार जोखिम पूंजी प्रभार की गणना मानकीकृत मापन पद्धति (एसएमएम) के प्रयोग से विनियामक कारकों को लागू करते हुए की जाती है।

बैंक अपने घरेलू तथा समुद्रपारीय पोर्टफोलियों का जोखिम समायोजित निष्पादन मूल्यांकन करता है। निर्णय लेने के लिए एक तंत्र के रूप में बैंक गैर-एसएलआर बॉण्ड के ऋण रेटिंग माइग्रेशन का विश्लेषण भी करता है।

3. परिचालन जोखिम कम करने के उपाय

परिचालन जोखिम, विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, व्यक्तियों तथा प्रणालियों अथवा बाहरी घटनाओं के कारण होने वाली हानि का जोखिम है। आपके बैंक के परिचालन जोखिम प्रबंधन के प्रमुख तत्वों में, अन्य के साथ, समयबद्ध घटना की रिपोर्टिंग, प्रणाली एवं नियंत्रणों की निरंतर समीक्षा, जोखिम एवं नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) के माध्यम से जोखिम जागरूकता को बढ़ाना, विषय आधारित आरसीएसए, प्रमुख जोखिम सूचकों (केआरआई) की निगरानी तथा जोखिम प्रबंधन गतिविधियों को व्यापार रणनीति से जोड़ना शामिल है।

किसी प्रकार की बाधा के दौरान शाखाओं तथा कार्यालयों में परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए बैंक में एक विस्तृत व्यवसाय निरंतरता योजना (बीसीबी) लागू है। वर्ष के दौरान हुई प्राकृतिक आपदाओं, जैसे कि पूर्वी तट पर तूफान तथा कोविड-19 महामारी के कारण आई बाधाओं में बीसीपी ने हमें कारोबार में न्यूनतम बाधा सुनिश्चित करने में समर्थ किया।

वित्त वर्ष 2021 के लिए, बैंक ने आरबीआई की आवश्यकताओं के अनुसार बेसिक इंडिकेटर एप्रोच

(बीआईए) के अंतर्गत परिचालन जोखिम के लिए पूंजी आबंटित की है।

बैंक में जोखिम संस्कृति में सुधार लाने के लिए बैंक प्रतिवर्ष 1 सितंबर को जोखिम जागरूकता दिवस मनाता है। सुग्राहीकरण के अंतर्गत जोखिम जागरूकता प्रतिज्ञा दिलाई गई तथा बैंक कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गई। आगे, सभी स्तरों पर प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से भी जोखिम जागरूकता को बढ़ावा दिया जाता है। सभी शाखाओं/ सीपीसी/ व्यवसाय इकाइयों में परिचालन जोखिम के शमन के लिए मंडल के सीएफओ तथा व्यवसाय इकाइयों के उप महाप्रबंधक (जोखिम) के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

4. उद्यम जोखिम कम करने के उपाय

उद्यम जोखिम प्रबंधन का लक्ष्य संपूर्ण बैंक स्तर पर जोखिम का रणनीतिपूर्वक प्रबंधन है। यह वैश्विक सर्वश्रेष्ठ सिद्धांतों, जैसे कि जोखिम एपेटाइट फ्रेमवर्क, जोखिम संस्कृति मूल्यांकन फ्रेमवर्क, भौतिक जोखिम मूल्यांकन आदि का पालन करता है।

जोखिम की भूमिका को एक रणनीतिक कार्य में परिवर्तित करने के आपके बैंक के विजन के रूप में एक बोर्ड अनुमोदित उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति लागू की गई है।

जोखिम एपेटाइट फ्रेमवर्क में निगरानी मापदंडों के साथ प्रमुख जोखिमों के लिए सीमाएं तय की जाती हैं। आपके बैंक में मजबूत जोखिम संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जोखिम संस्कृति मूल्यांकन फ्रेमवर्क को चरणबद्ध तरीके से परिचालित किया गया है। भौतिक जोखिम मूल्यांकन फ्रेमवर्क के अंतर्गत अन्यों के साथ-साथ ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम तथा तरलता जोखिम के लिए जोखिम आधारित मापदंडों का तिमाही विश्लेषण उद्यम तथा समूह जोखिम प्रबंधन समिति (ईजीआरएमसी)/बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को प्रस्तुत किया जाता है।

एकल तथा सामूहिक स्तर पर सामान्य तथा दबावग्रस्त परिस्थितियों में पूंजी की पर्याप्तता के संबंध में आपका बैंक वार्षिक आधार पर आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएएपी) अभ्यास करता है। इस दस्तावेज़ में बैंक स्तर पर तथा सामूहिक स्तर पर पहचाने गए जोखिमों का मूल्यांकन, आंतरिक नियंत्रण तथा शमन उपाय तथा पूंजी मूल्यांकन शामिल है।

आईसीएएपी में स्तंभ 1 जोखिमों यथा ऋण जोखिम, बाजार जोखिम तथा परिचालन जोखिम के साथ ही स्तंभ 2 जोखिम यथा तरलता जोखिम, बैंकिंग बही में ब्याज़ दर जोखिम (आईआरआरबीबी), कॉन्सन्ट्रेशन जोखिम तथा अन्यों का मूल्यांकन किया जाता है और यथा आवश्यक पूंजी उपलब्ध करवाई जाती है। आईसीएएपी में नए तथा उभरते हुए जोखिमों की पहचान कर उनपर चर्चा की जाती है।

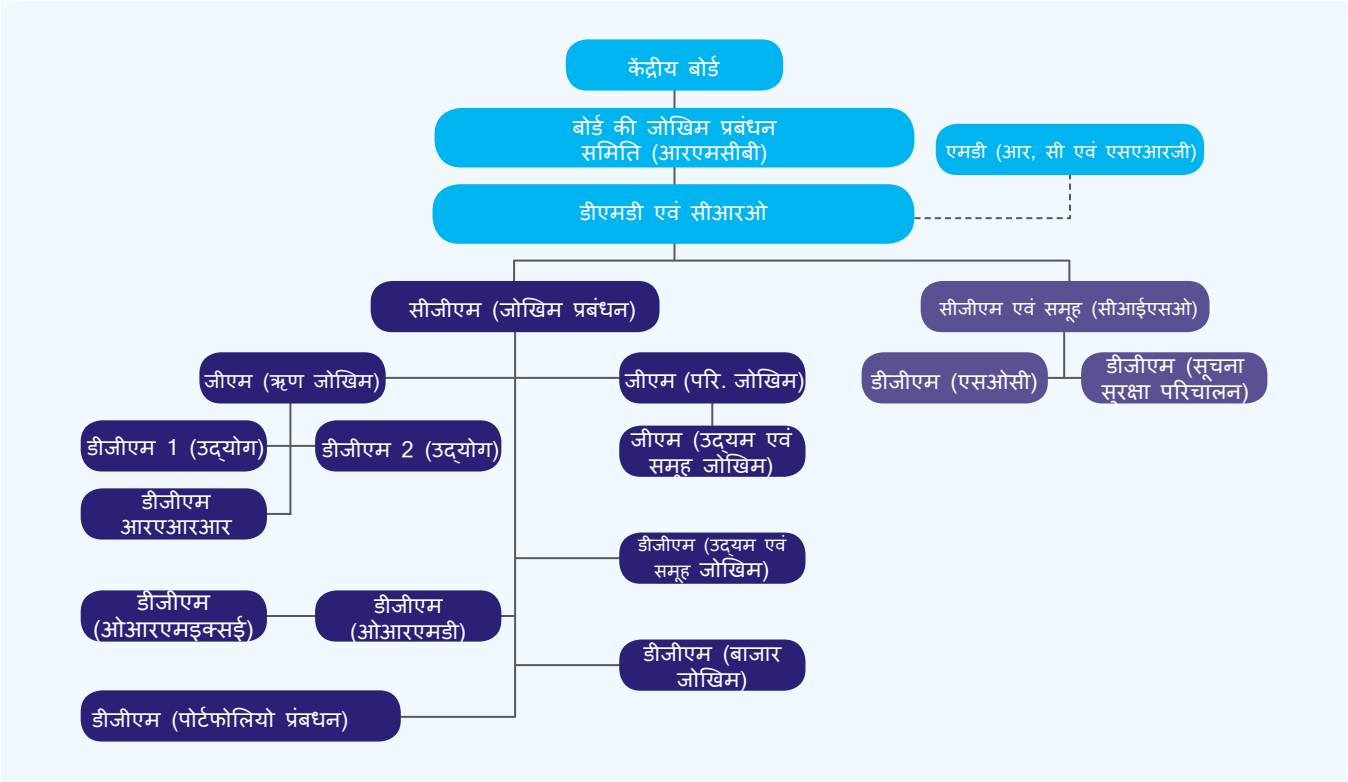

5. समूह जोखिम कम करने के उपाय

समूह जोखिम प्रबंधन का लक्ष्य समूह इकाइयों में मानकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाएं लागू करना है। समूह जोखिम प्रबंधन, समूह तरलता तथा आकस्मिक निधियन योजना (सीएफपी), जोखिम से दूरी बनाए रखने, अंतरा समूह लेनदेन तथा जोखिमों के लिए आवश्यकताओं पर नीतियां लागू हैं। समेकित विवेकाधीन जोखिमों तथा समूह जोखिम तत्वों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

गैर- बैंकिंग इकाइयों सहित सभी सामूहिक इकाइयां, जहां एसबीआई के पास 20% से अधिक स्टेक तथा प्रबंधन नियंत्रण है, आईसीएएपी अभ्यास सुनिश्चित करती हैं तथा समानता सुनिश्चित करने के लिए समूह आईसीएएपी नीति लागू है।

6. बासेल कार्यान्वयन

बासेल III पूंजी विनियमनों पर आरबीआई दिशानिर्देशों को कार्यान्वित किया गया है तथा आपका बैंक वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त रूप से पूंजीकृत है, जिसमें पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) के आवश्यक स्तर को बनाए रखना भी शामिल है। विनियामक द्वारा आपके बैंक को डी-एसआईबी के रूप में पहचाना गया है तथा तदनुसार बैंक को 1 अप्रैल 2019 से आरडब्ल्यूए के 0.60% का अतिरिक्त कॉमन ईक्विटी टियर 1 (सीईटी 1) रखने की आवश्यकता है।

ख. आंतरिक नियंत्रण

आपके बैंक में आंतरिक लेखापरीक्षा (आईए) एक स्वतंत्र कार्यकलाप है। इसे बैंक में पर्याप्त मान्यता, महत्व और अधिकार प्राप्त है। उप प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में गठित आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में काम करता है। आपके बैंक का आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन विभागों के समन्वय से कार्य करता है, ताकि प्रभावी नियंत्रण का आकलन, नियंत्रण के साथ अनुपालन का आकलन और आंतरिक प्रक्रियाओं तथा कार्यविधियों का पालन किया जा सके। आपके बैंक का आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग जोखिम आधारित पर्यवेक्षण से संबंधित विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक की सभी परिचालन इकाइयों की व्यापक जोखिम आधारित लेखापरीक्षा की देखरेख करता है ।

आपके बैंक में तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण को देखते हुए लेखापरीक्षा विभाग ने सिस्टम संचालित एवं विश्लेषण आधारित लेखापरीक्षा के माध्यम से बेहतर दक्षता और प्रभावशीलता प्रदान करने के लिए तकनीकी दखल की शुरुआत की है ।

कुछ मुख्य पहल निम्नवत हैं :

- नियंत्रण सहित अनुपालन का शुरुआती स्तर पर आकलन करने के लिए वेब आधारित, ऑनलाइन जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आर. एफ . आई . ए .) करना।
- बड़े डाटा के रिमोट आकलन के माध्यम से विश्लेषण आधारित, अनुपालन योग्य नियंत्रणों का आकलन करना।
- लेन-देन पर सिस्टम जनित विश्लेषण आधारित ऑफ साइट निगरानी रखना।
- व्यवसाय यूनिटों की संगामी लेखापरीक्षा करना, जिससे अनुपालनों की अद्यतन या वास्तविकता के नजदीक संवीक्षा सुनिश्चित की जा सके।
- संस्वीकृतियों के तुरंत बाद समीक्षा 1 करोड़ तथा उससे अधिक के ऋणों की गुणवत्ता का समय रहते आकलन किया जा सके।
- शाखा द्वारा ऑनलाइन स्व-लेखा परीक्षा करना, जिसमें शाखाओं द्वारा स्व-मूल्यांकन तथा नियंत्रकों द्वारा पुनरीक्षण किया जा सके ।

जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा के भाग के रूप में आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग अलग-अलग प्रकार की लेखा परीक्षा करता है जिससे ऋण लेखापरीक्षा सूचना प्रणाली लेखापरीक्षा, साइबर सुरक्षा लेखापरीक्षा, होम ऑफिस लेखापरीक्षा (विदेश स्थित कार्यालयों की लेखापरीक्षा, संगामी लेखापरीक्षा), फेमा लेखापरीक्षा ,बैंक के आउटसोर्स्ड कार्यकलाप की लेखापरीक्षा, व्यय लेखापरीक्षा तथा अनुपालन लेखापरीक्षा।

आपके बैंक ने सकल जोखिम आकलन प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के लिए आई एडी में एक नए विंग को स्थापित किया है।

इसके अतिरिक्त, नियंत्रको को लेखापरीक्षा समिति के निर्देशानुसार यह बिजनेस वर्टिकल के सार्वजनिक एवं थीमटिक प्रभावकरिता की जाचे क लिए प्रबंधन लेखा परीक्षा भी करता है ।

शाखा की लेखापरीक्षा

लेखापरीक्षा विभाग आर. एफ. आई. ए. के माध्यम से लेखा-परीक्षित यूनिटों के संपूर्ण परिचालनों का निरीक्षण करता है। आरबीआई के दिशानिर्देशानुसार जोखिम आधारित पर्यवेक्षण के लिए यह आवश्यक है। घरेलू शाखाओं को उनके व्यवसाय प्रोफाइल तथा अग्रिमों एक्स्पोज़र के आधार पर चार समूहों समूह I विशेष,I,II और III में बांटा गया है। आपके बैंक ने लेखापरीक्षा के लिए शाखाओं का चयन करने के लिए सिस्टम आधारित प्रक्रिया आरंभ की है जिसके तहत विश्लेषणात्मक एल्गोरिदम लगाकर अलग तरह से व्यवहार कर रही यूनिटों की पहचान की जाती है। इससे बैंक को ऐसी शाखाओं में समस्या के कारणों की पहचान कर सुधार की कार्रवाई करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर लेखा परीक्षा करने में मदद मिलती है ।

वित्त वर्ष 2020- 21 के दौरान आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग ने घरेलू शाखाओं की 12359 इकाइयों एवं केन्द्रीय प्रसंस्करण केंद्रों (सीपीसी) की लेखापरीक्षा की है। साथ ही ट्रिगर आधारित लेखापरीक्षा (टीबीए) के अंतर्गत निर्धारित 3338 शाखाओं का साक्ष्य आधारित अनुपालन परीक्षण (ईबीसीटी) को पूरा कर लिया है।

ऋण लेखापरीक्षा

ऋण लेखापरीक्षा जोखिम आधारित आंतरिक लेखा परीक्षा का अभिन्न अंग है जिसका उद्देश्य निहित व्यवसाय जोखिम (ऋण जोखिम) की पहचान करना,निहित जोखिमों (नियंत्रण जोखिम) की निगरानी के लिए नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना है । यह उच्च मूल्य पोर्टफोलियो में ऋण जोखिम को नियंत्रित करने के लिए उपाय भी सुझा सकती है।

बैंक ने जोखिम आधारित ऋण लेखा परीक्षा (आरएफसीए) बनाया है जो ऋण संविभाग(पोर्टफोलियो) की गुणवत्ता के आर्थिक मूल्यांकन का एक प्रभावी उपकरण है तथा ऋण प्रबंधन में गुणात्मक सुधार, ऋण रेटिंग प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने,पोर्ट्फोलियो गुणवत्ता,सलाना रु 20 करोड़ से अधिक एक्सपोजर वाले व्यक्तिगत बड़े वाणिज्यिक ऋणों की गहन समीक्षा कर प्रस्तुत करता है।

संस्वीकृति के तुरंत बाद समीक्षा

संस्वीकृति के तुरंत बाद समीक्षा (ईआरएस) के तहत रु 1 करोड़ से अधिक के ऋण वाले सभी पात्र संस्वीकृत प्रस्तावों की समीक्षा की जाती है । ईआरएस संस्वीकृत प्रस्तावों के प्रारंभिक चरण में ही महत्वपूर्ण जोखिमों का पता लगा लेता है और इसे कम करने के लिए इस तरह से जोखिमों से व्यवसाय इकाइयों को अवगत कराता है । ईआरएस सोर्सिंग की गुणवत्ता,संस्वीकृति- पूर्व और संस्वीकृति प्रक्रिया को बेहतर बनाने में सहायता करता है। हाल में ईआरएस गतिविधियां केंद्रीकृत की गई हैं तथा ऋण प्रस्तावों की समीक्षा के लिए सेवानिवृत्त अधिकारियों की जगह बैंक के अधिकारियों/ सनदी लेखाकारों की सेवाएं ली जा रही हैं । ईआरएस की संपूर्ण प्रक्रिया सिस्टम संचालित है और लोन लाइफ साइकिल प्रबंधन समाधान (एलएलएम एस) के माध्यम से कार्य करती है ।

फेमा लेखापरीक्षा

विदेशी मुद्रा लेनदेन करने के लिए प्राधिकृत (प्राधिकृत डीलर) शाखाएं, जिसमें व्यापार वित्त केंद्रीकृत प्रसंस्करण कक्ष टीएफसीपीसी शामिल है,की फेमा लेखा परीक्षा की जाती है । सीएजी/ सीसीजी/ टीएफसीपीसी में सभी शाखाएं एवं "ए"तथा "बी" श्रेणी की शाखाएं जो टीएफसीपीसी से जुड़ी नहीं हैं, उनकी लेखा परीक्षा वार्षिक आधार पर की जाती है। टीएफसीपीसी से जुड़ी 20% शाखाओं की भी लेखा परीक्षा जोखिम आकलन/ जुड़ी शाखाओं के विदेशी परिचालनों की मात्रा के आधार पर टीएफसीपीसी से जुड़ी शाखाओं के साथ की जाती है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 479 ऐसी शाखाओं/ इकाइयों की फेमा लेखा परीक्षा की गई ।

सूचना प्रणाली और साइबर सुरक्षा लेखापरीक्षा

आर.एफ.आई.ए. के भाग के रूप में भारतीय स्टेट बैंक की सभी शाखाओं में आईटी इन संबंध जोखिमों का आकलन करने के लिए सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा आईएस ऑडिट की जाती है। केंद्रीकृत आईटी संस्थानों की आईएस लेखा परीक्षा योग्यता प्राप्त अधिकारियों की टीम द्वारा की जाती है जिसमें सीधी भर्ती से नियुक्त आईएस लेखापरीक्षक सम्मिलित होते हैं। 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 की अवधि के दौरान 84 केंद्रीकृत आईटी संस्थाओं की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा की गई । इसके अतिरिक्त आपके बैंक की साइबर सुरक्षा नीति के अनुसार प्रतिवर्ष आपके बैंक की साइबर सुरक्षा लेखापरीक्षा भी की जाती है।आईएस लेखापरीक्षा आईटी- आउटसोर्स्ड गतिविधियों की भी लेखा परीक्षा करता है ।

विदेशी कार्यालयों की लेखापरीक्षा

विदेशी कार्यालयों की लेखापरीक्षा घरेलू कार्यालय लेखापरीक्षा के अंतर्गत की जाती है। इसके अतिरिक्त आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग के अंतर्गत संबंधित केंद्रों पर स्थानीय स्तर पर आंतरिक लेखापरीक्षा की जाती है। कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के चलते वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 17 विदेशी कार्यालयों की घरेलू कार्यालय लेखापरीक्षा, एक प्रतिनिधि कार्यालय तथा एक सहयोगी कार्यालय की प्रबंधन लेखापरीक्षा बाकी है जिसे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए स्थगित कर दिया गया है तथापि कार्यालयों की अनुमोदित आवधिकता के अनुसार आंतरिक लेखापरीक्षा की गई है ।

संगामी लेखा परीक्षा प्रणाली (सीएएस)

आपका बैंक संगामी लेखापरीक्षा प्रणाली, विनियामक प्राधिकारी द्वारा निर्धारित ऋण और अन्य जोखिम को कवर करता है। सीएएस को और मजबूत बनाने के लिए जोखिम मैट्रिक्स के अनुसार वर्गीकृत किए गए सभी अत्यंत उच्च जोखिम, बहुत उच्च जोखिम/ उच्च जोखिम वाली शाखाएं/ इकाइयों को सीएएस के तहत कवर किया गया है। सभी ऋण केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र में ग्राहक संबंध के प्रारंभिक चरण में ही जोखिम अंकन की कमियों की पहचान करने हेतु संगामी लेखापरीक्षक की तैनाती की गई है। आपके बैंक में सेवानिवृत्त अनुभवी बैंक अधिकारियों और नियमित अधिकारियों के अतिरिक्त चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म भी लेखापरीक्षा कर रही हैं ।

ऑफसाइट लेनदेन निगरानी प्रणाली (ओटीएमएस)

ऑफसाइट लेनदेन की निगरानी करने के उद्देश्य से परिस्थितियों के अनुसार अलर्ट जारी किए जाते हैं और सुधारात्मक कार्रवाई हेतु व्यवसाय इकाइयों को इनसे अवगत कराया जाता है। वर्तमान में, सिस्टम में 54 प्रकार की परिस्थितियाँ सन्निहित हैं, जिसके विरुद्ध नियमित अंतराल पर लेनदेन की जांच की जाती है और जहां संबंधित अनुपालन की पुष्टि हेतु सिस्टम द्वारा अनियमित लेनदेन की पहचान की जाती है। इस परिस्थितियों की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और जरूरत एवं कतिपय ट्रिगर्स के आधार पर इनका विस्तार किया जाता है ।

विधिक लेखापरीक्षा

आपके बैंक में विधिक लेखा परीक्षा के अंतर्गत ₹ 5 करोड़ और उससे अधिक की राशि के ऋण और प्रतिभूति संबंधित दस्तावेजों को कवर किया जाता है। विधिक लेखापरीक्षा अतिरिक्त नियंत्रण के लिए की जाती है, जो आंतरिक लेखापरीक्षा की आंतरिक टीम द्वारा की गई संवीक्षा के साथ-साथ अधिवक्ताओं के पैनल द्वारा भी की जाती है,ताकि बैंक के पक्ष में दस्तावेजों या प्रतिभूति सृजन में कोई अनियमितता न हो । मार्च 2021 की समाप्ति तक 13535 खाताओं की विधिक लेखापरीक्षा की गई है ।

आउटसाइड कार्यकलाप की लेखापरीक्षा (आईटी के अलावे)

आपका बैंक इस बात की जरूरत समझता है कि बैंक के लिए कार्यरत सेवाप्रदाता बैंक की तरह विधिक और विनियामक अपेक्षाओं का अनुपालन करें। यही कारण है कि आउटसोर्सड कार्यकलापों का नियमित अंतराल पर लेखापरीक्षा की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित हो कि सही प्रणालियों और कार्यविधियों का अनुपालन किया जा रहा है तथा बैंक के लिए किसी प्रकार की विधिक, वित्तीय और एवं साख संबंधी जोखिम न रहे ।

आपके बैंक में आउटसोर्स्ड कार्यकलापों की लेखापरीक्षा के तहत एटीएम सेवा प्रदान करने वाले वेंडरों (आईटी के अलावे),कॉरपोरेट व्यवसाय प्रतिनिधि (बीसी),ग्राहक सेवा केंद्र (सीएससी) वसूली और समाधान एजेंटों, नकदी प्रबंधन सेवा, चेक बुक प्रिंटिंग,समपार्श्विक प्रबंधन,ऋण प्रस्तावों के विपणन, रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट,दस्तावेज़ पुरालेख केंद्र, नकद दक्षता परियोजना शामिल हैं ।

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान आपके बैंक ने वित्तीय समावेशन योजना के तहत शामिल 60776 ग्राहक सेवा केंद्रों में से 30334 ग्राहक सेवा केंद्रों की लेखापरीक्षा की है। अन्य बाहरी एजेंसियों को सौंपे गए कार्यकलाप के संबंध में योजनानुसार 732 वेंडरों की लेखापरीक्षा की है।

कॉरपोरेट केंद्र के विभागों का आरएफआईए

यह विभाग सकल जोखिम के मूल्यांकन एवं वृहद स्तर पर जोखिमों की निगरानी के लिए बनाया गया है। जोखिम मूल्यांकन, बुनियादी जोखिम, नियंत्रण जोखिम, शेष जोखिमों तथा संचालन एवं निगरानी के छूटे अंशों को कवर करता है। यह विनियामक एवं सांविधिक आवश्यकताओं के अनुपालन की स्थिति का भी आकलन करता है। इस प्रकार यह बैंक में जोखिम की दिशा और गति पर वरिष्ठ प्रबंधन एवं बोर्ड को उचित एवं उपयुक्त आश्वासन प्रदान करता है।

प्रबंधन लेखापरीक्षा

प्रबंधन लेखापरीक्षा में कॉरपोरेट केंद्र की संस्थापनाएं/ मंडलों के स्थानीय प्रधान कार्यालय और बैंक द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) शामिल हैं। इनकी लेखा परीक्षा में कार्यनीति, प्रक्रिया और जोखिम प्रबंधन कार्यप्रणालियों की समीक्षा की जाती है ।

ग. अनुपालन जोखिम प्रबंधन

आपका बैंक नियामक और सांविधिक अनुपालनों को पूरा करने के लिए अत्यंत प्राथमिकता देता है। इस दिशा में, हमने ट्रैकिंग क्षेत्रों के लिए एक तेज ध्यान सुनिश्चित करने के लिए अपने अनुपालन वास्तुकला को पूरी तरह से नया रूप दिया है अनुपालन जोखिमों को जन्म देना और त्वरित उपचारात्मक कदम उठाने के लिए।

बैंक के लिए अपने अनुपालन जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए एक गहरी जड़ें अनुपालन संस्कृति महत्वपूर्ण है और इसे पूरे संगठन में संचार और बातचीत के विभिन्न रूपों के माध्यम से मजबूत किया जा रहा है ।

किसी भी अनुपालन जोखिम को दूर करने के लिए, सभी उत्पादों, प्रक्रिया, नीतियों को चालू करने से पहले नियामक के नजरिए से संचालित किया जाता है। एक अनुपालन जोखिम प्रबंधन समिति, जिसमें व्यापार वर्टिकल और समर्थन कार्यों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, अनुपालन से संबंधित सभी मुद्दों पर निगरानी रखता है। समिति नियमित रूप से बैठक करती है और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी आंतरिक हितधारकों को आवश्यक मार्गदर्शन देती है।

भारतीय रिजर्व बैंक के विनियमों का अनुपालन परीक्षण और अंतरालों का उपचार, यदि कोई हो, नियमित रूप से किया जाता है। परीक्षण ब्रह्मांड का विस्तार किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए नियंत्रण तंत्र मौजूद हैं ।

घ. केवाईसी/एएमएल-सीएफटी उपाय:

बैंक के पास मौजूदा आरबीआई मास्टर निर्देश के अनुरूप केवाईसी नीति को मंजूरी दी गई है। इस नीति में केवाईसी, एएमएल और सीएफटी मुद्दों के प्रति बैंक के दृष्टिकोण को शामिल किया गया है । बैंक ने समय-समय पर संशोधित धन-शोधन निवारण अधिनियम, 2002 और धन-शोधन निवारण (अभिलेखों का रखरखाव) नियम, 2005 के प्रावधानों को लागू करने के लिए कदम उठाए हैं।

इस नीति में ग्राहक स्वीकृति, जोखिम प्रबंधन, ग्राहक पहचान और लेनदेन की निगरानी के लिए बैंकों का ढांचा शामिल है। बैंक ने केवाईसी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मैनुअल और प्रणाली सक्षम पद्धति के संयोजन वाली एक मजबूत प्रणाली लगाना शुरू किया है। कोई खाता नहीं खोला जाता है, गुमनाम या फर्जी/ बेनामी नाम में या जहां शाखा/व्यावसायिक इकाई उचित सीडीडी उपायों को लागू करने में असमर्थ है । बैंक आभासी मुद्राओं के लेनदेन में लेनदेन या निपटाने के लिए खाते नहीं खोलता है। हालांकि, नीति को लागू करते समय, बैंक इस बात का ध्यान रखता है कि इसके परिणामस्वरूप उन लोगों को बैंकिंग सेवाओं से वंचित न किया जाए जो आर्थिक या सामाजिक रूप से वंचित हैं ।

संपर्क रहित ग्राहक ऑनबोर्डिंग की सुविधा के लिए, वीडियो ग्राहक पहचान प्रक्रिया (V-CIP) को रोल किया गया है

राष्ट्रीय स्तर पर बाहर । इस प्रक्रिया का उपयोग करके, नए ग्राहक किसी भी शाखा का दौरा किए बिना पूरी तरह से कार्यात्मक खाते खोल सकते हैं।

बैंक के एएमएल सीएफटी विभाग लेनदेन निगरानी के माध्यम से चल रहे उचित परिश्रम का ख्याल रखता है। बैंक जोखिम आधारित दृष्टिकोण का पालन करता है जिसमें ग्राहकों को मूल्यांकन और जोखिम धारणा के आधार पर कम, मध्यम और उच्च जोखिम के रूप में वर्गीकृत किया जाता है । बैंक वित्तीय खुफिया इकाई-इंडिया (एफआईयू-आईएनडी) को अनिवार्य रिपोर्ट दाखिल करने का ध्यान रखता है। खातों के मामलों में प्राथमिकता के आधार पर उपयुक्त रिपोर्ट भी दर्ज की जाती है, जिसमें आतंकवादी संबंध होने का संदेह होता है ।

कर्मचारियों में अधिक जागरूकता लाने के लिए कई पहल की जा रही हैं । बैंक द्वारा चल रहे कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि कर्मचारियों के सदस्यों को एएमएल/सीएफटी नीति में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया जा सके । एएमएल-सीएफटी दिवस प्रत्येक वर्ष 2 नवंबर को मनाया जाता है जिसमें उस दिन सभी शाखाओं/प्रसंस्करण केंद्रों और प्रशासनिक कार्यालयों में प्रतिज्ञा ली जाती है । इसी तरह 1 अगस्त को केवाईसी कंप्लायंस एंड फ्रॉड प्रिवेंशन डे के रूप में मनाया जाता है।

ङ. बीमा

आपका बैंक बीमा पॉलिसियों की खरीद कर रहा है, जिसमें आपके बैंक की संपत्ति और अन्य जोखिम शामिल हैं। बीमा कवरेज में नकदी और क़ीमती सामान, बैंक की संपत्तियां, डेबिट कार्ड/ इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के तहत धोखाधड़ी लेनदेन और साइबर जोखिम शामिल हैं ।

च. परिसर

आईजीबीसी ग्रीन बिल्डिंग पुरस्कार:

1. नरीमन प्वाइंट स्थित हमारे प्रतिष्ठित स्टेट बैंक भवन भवन को आईजीबीसी परफॉर्मेंस चैलेंज 2020 में एक्सीलेंस अवार्ड मिला है।

2. इसके अलावा स्टेट बैंक भवन की आईजीबीसी रेटिंग को 2017 में प्राप्त मौजूदा सिल्वर रेटिंग से गोल्ड में अपग्रेड किया गया है। जल दक्षता, ऊर्जा कुशल रोशनी, ऊर्जा कुशल सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कूलिंग टॉवर ऑफ एयर कंडीशनिंग प्लांट और ऑर्गेनिक फार्मिंग आदि जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार ने हमें इस रेटिंग को हासिल करने में मदद की है । हमने अपने "डुनेडिन बंगले" के लिए आईजीबीसी से "प्लेटिनम" प्रमाणन भी प्राप्त किया है। वर्तमान में एसबीआई के पास कुल आठ आईजीबीसी रेटेड ग्रीन बिल्डिंग हैं।